बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, १६ फरवरी, २००३) कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं।

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १. निम्नलिखित विषयों में से किसी दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन तीन प्रमाण दीजिए। ६

१. सर्वोपरि समझने की आवश्यकता ।
२. मोक्ष के लिए प्रगट भगवान या प्रगट संत ।
३. निराकार समझने से घाटा ।
४. अक्षरब्रह्म - एक और अद्वितीय ।

प्र. २. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ५

१. परोक्षथी भव तणो पार आवे नहीं, वेद वेदांत कहे सत्य वाणी ।
२. कोटि कृष्ण जोडे हाथ, कोटि विष्णु नमे माथ ।
सद्गुरु खेले वसंत ।
३. मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम,
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ।
४. अवतारादिक सर्वे महाराजनुं दीधुं अैश्वर्य भोगवे छे ने भजी भजीने एवा थाय छे ।
५. ब्रह्मने जाणे ते ब्रह्मरूप थाय छे ।

प्र. ३. निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ४

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अक्षरब्रह्म की आवश्यकता ।
(अ) प्रगट की भक्ति के लिए ।
(ब) ब्रह्मरूप होने के लिए ।

(क) पुरुषोत्तम जैसे होने के लिए ।
(ड) परब्रह्म को तत्त्व सहित पहचानने के लिए ।
२. परमात्मा की सर्वज्ञता ।
(अ) जगत की उत्पत्ति, स्थिति, लय संबंधी ईश्वर के संकल्प जानते हैं ।
(ब) जीवों के भूत, भविष्य, वर्तमान को जानते हैं ।
(क) जीवों के स्थूल-सूक्ष्म, सर्व कर्मों को जानते हैं ।
(ड) अक्षरधाम के मुक्तों के सर्व संकल्प जानते हैं ।

प्र. ४. निम्नलिखित में से किसी एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखिए । ४

१. स्वरूपानंद स्वामी ने नरक के कुंड खाली कर दिए ।
२. मैं आपमें अखंड रहा हूँ ।
३. ये तो सर्वज्ञ है, सर्वदक्ष है और धनवंतर वैद्य है ।

प्र. ५. निम्नलिखित विकल्पों में से किसी दो विकल्प के बारे में विवरण कीजिए। ८

१. अक्षरपुरुषोत्तम युगल उपासना ।
२. उत्पत्ति सर्ग ।
३. सर्व कर्ता-हर्ता श्रीजीमहाराज ।
४. भगवान में मनुष्यभाव समझे तो खोट ।

प्र. ६. निम्नलिखित विकल्पों में से किसी दो विकल्प के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) ८

१. वाघाखाचर की निरावरण दृष्टि हो गई ।
२. उपासना समझना आवश्यक और अनिवार्य है ।
३. शास्त्रीजी महाराज कहते थे, ''हम तो अक्षरपुरुषोत्तम के बैल हैं ।''
४. गोलोक और वैकुंठ धाम से भी अक्षरधाम सर्वोपरि है ।

प्र. ७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ८

(उपासना में क्या समझना ?)

१. धाम में जो परब्रह्म का ..... यह श्रीजीमहाराज है ।
२. अक्षरब्रह्म भी धाम में ..... निर्गुण कर देते हैं ।
३. एसा प्रगट ब्रह्मस्वरूप ..... अधिकारी होते हैं ।
४. सगुणता और ..... सूक्ष्म है ।
५. पुरुषोत्तमनारायण की तरह..... अद्वितीय है ।

(उपासना में क्या नहीं समझना ?)

१. *मुक्त और ..... अलग नहीं, एसा नहीं समझना ।*

२. *शिक्षापत्री और ..... हो सकता है, एसा नहीं समझना ।*

३. *अकेले अक्षरब्रह्म ..... साथ में है, एसा नहीं समझना ।*

प्र. ८. *शिक्षापत्री में ब्रह्मवेत्ता के ध्यान का निषेध है । तो संत का ध्यान हो सकता है ? समझाइये।* ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. *''तुने मेरे देह का दु:ख मिटा दिया है, तो मैं तेरे अंतर का दु:ख मिटा दूँगा ।''*

२. *''कणबी के लडके और कूकडे भूखे नहीं रहते ।''*

३. *''भारत में अकाल है, इसलिए बारिश हो जाय, इसलिए प्रार्थना करती है ।''*

प्र. १०. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं <u>दो</u> विकल्प के बारे में कारण लिखें। ६

१. *मुक्तानंद स्वामी ने रामानंद स्वामी का प्रसादी का वस्त्र चूले में डाल दिया ।*

२. *रघुवीरजी महाराज तीर्थवासी होकर जूनागढ गए ।*

३. *बडौदा से निकल जाने के लिए तैयार हुए निष्कुलानंद स्वामी बडौदा रूक गए ।*

४. *रढु के रतनसिंह का चमडी का रोग कुछ ही दिनों में अच्छा हो गया ।*

प्र. ११. निम्नलिखित विषय पर मुद्दासर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. *ग्रहों की गति रोकते हुए गोपालानंद स्वामी ।*

<u>अथवा</u>

शिवलाल सेठ की संयमी दृष्टि ।

२. *स्वामीश्री की सेवा भावना ।*

<u>अथवा</u>

स्वामीश्री के बारे में महानुभावों के उद्‌गार ।

प्र. १२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। ६

१. *कुशलकुंवरबा को किस के द्वारा सत्संग हुआ ?*

२. *गढडा समागम के लिए गए हुए पर्वतभाई कितने दिन तक भूखे रहे थे ?*

३. *'अनुभवी आनंदमां..... ' कीर्तन के रचयिता कौन है ।*

४. *गुणातीतानंद स्वामी की प्रेरणा से रघुवीरजी महाराज ने कौनसा ग्रंथ रचा ?*

५. *शिवलाल ने भावनगर में किसकी पधरावनी की ?*

६. *प्रमुखस्वामी महाराज ने दातून की फाँक किस गाँव में कौनसे प्रसंग में ले ली ?*

प्र. १३. निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. *गुणातीतानंद स्वामी का समागम किस किसने किया ?*

(अ) रघुवीरजी महाराज *(ब) पर्वतभाई*

(क) निष्कुलानंद स्वामी *(ड) शिवलाल सेठ*

२. *पर्वतभाई*

(अ) कारियाणी के थे ।

(ब) ढोलिया के सत्संगी ।

(क) दादाखाचर का नौकर था ।

(ड) महाराज की मूर्ति में चौबीस अवतार लीन होते हुए देखे ।

३. *कुशलकुंवरबा ने किन किन संतों का समागम किया था ?*

(अ) परमात्मानंद स्वामी *(ब) मुक्तानंद स्वामी*

(क) कृपानंद स्वामी *(ड) परमचैतन्यानंद स्वामी*

(विभाग - ३ : निबन्ध)

प्र. १४. निम्नलिखित विषयों में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । २०

१. *दूसरे के सुख में हमारा सुख है । - परम पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज ।*

२. *हिन्दु संस्कृति का पोषक और संवर्धक - अक्षरधाम ।*

३. *श्रेय और प्रेय की मार्गदर्शिका - सत्संगप्रवृत्ति ।*